कोटा केयर्स पहल

चर्चा में क्यों

कोटा केयर्स' पहल ने कोचिंग केंद्र में छात्रों की सहायता के लिये **नई गाइडलाइंस जारी कीं**, जिसके तहत रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंडों पर हेल्पडेस्क उपलब्ध कराए जाएंगे और शहर भर में छात्र सहायता केंद्रों का नेटवर्क स्थापित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **नई गाइडलाइंस और सुविधाएँ**

- आवास और वित्तीय सहायता
  - **4,000 छात्रावासों** से सुरक्षा एवं **कॉशन मनी** हटाई जाएगी।
  - **मेंटेनेंस शुल्क**, प्रतिवर्ष 2,000 रुपए तक सीमित।
  - अभिभावकों को सभी **भुगतानों की रसीदें** दी जाएंगी।
  - कमरे में परिवर्तन और अवकाश नीतियों के लिये परिभाषित दिशा-निर्देश।
- **सुरक्षा और संरक्षा उपाय**
  - सभी छात्रावास कर्मचारियों के लिये **अनिवार्य गेट-कीपर** प्रशिक्षण।
  - सीसीटीवी निगरानी और **बायोमेट्रिक प्रणाली सहित आधुनिक सुरक्षा-तंत्र की स्थापना।**
  - **महिला छात्रावासों के लिये विशेष प्रावधान**, जिसमें महिला वार्डन भी शामिल होंगी।
  - एंटी-हैंगिंग डिवाइसेस और **फायर NOC** के लिये अनिवार्य प्रमाणीकरण।
  - व्यक्तिगत कक्ष भ्रमण के माध्यम से नियमित रात्रि उपस्थिति जाँच।
- **छात्र कल्याण पहल**
  - **चंबल रिवरफ्रंट और ऑक्सीजन जोन तक** निःशुल्क पहुँच
  - सभी छात्रावासों में **मनोरंजन हेतु निर्दिष्ट स्थान।**
  - मध्यावधि छुट्टियों के दौरान खाद्य सेवाओं की उपलब्धता।
  - **रेलवे स्टेशनों और बस टर्मिनलों पर कोटा केयर्स हेल्प डेस्क।**
  - छात्र सहायता केंद्रों का एक शहरव्यापी नेटवर्क।
- **कोटा केयर्स पहल के बारे में:**
  - कोटा केयर्स' **जिला प्रशासन, कोचिंग संस्थानों, छात्रावास संघों और स्थानीय समुदायों की एक संयुक्त पहल है,** इसकी शुरुआत **दिसंबर 2024** में की गई थी।
  - **इसका उद्देश्य** प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों में तनाव की समस्या और आत्महत्या के बढ़ते मामलों से निपटना तथा **छात्र कल्याण में सुधार करना** है।
  - 'कोटा केयर्स' पहल शहर के शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। यह पहल न केवल कोटा बल्कि पूरे देश के अन्य शैक्षिक केंद्रों के लिये एक आदर्श के रूप में काम कर सकती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kota-cares-initiative